payment has been made to M/s. R. S. Steel, a contracting organisation doing contract work under Engineer-in-Chief, Electrification, Northern Railways, Allahabad, during the period 1969-70 ;

(b) whether the Senior Accountants Officer, Northern Railway, Allahabad and Auditor, Northern Railway, Allahabad had put a strong objection against the above over-payment and for violating the relevant rules in this regard ; and

(c) if so, the action taken thereon ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI HANUMANTHAIYA) : (a) No.

(b) and (c). Do not arise.

जाओरा और मन्दसौर रेलवे स्टेशनों (पश्चिम रेलवे) में कर्मचारियों की आवश्यकताएं

1614. **डा० लक्ष्मी नारायण पाँडे** : क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पश्चिम रेलवे के जाओरा और मंदसौर रेलवे स्टेशनों में कार्य कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों की अलग-अलग संख्या कितनी है ;

(ख) क्या वहां यात्रियों और माल के दैनिक यातायात को ध्यान में रखते हुए दोनों ही स्टेशनों पर अधिकारियों और कर्मचारियों की संख्या कम है ;

(ग) क्या कर्मचारियों की कमी को कर्मचारियों और अधिकारियों को समयोपरि भत्ता देकर पूरा किया जा रहा है ; और

(घ) यदि हां, तो इन दोनों स्टेशनों पर कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

रेल मन्त्री (श्री हनुमंतैया) : (क)

	अधिकारियों की संख्या	कर्मचारियों की संख्या श्रेणी III	श्रेणी IV
जावरा	कोई नहीं	14	13
मंदसौर	कोई नहीं	25	20

(ख) इन दोनों स्टेशनों पर यात्रियों और माल के दैनिक यातायात को देखते हुए कर्मचारियों की संख्या पर्याप्त समझी जाती है।

(ग) कर्मचारियों की कमी के कारण समयोपरि भत्ते का कोई भुगतान नहीं किया गया है। लेकिन जिन स्टेशनों पर कर्मचारियों के छुट्टी पर जाने के कारण अनुपस्थिति बहुत अधिक रही वहां कभी-कभी कर्मचारियों को समयोपरि भत्ता दिया गया है।

(घ) सवाल नहीं उठता।

मालगाड़ी का पश्चिम रेलवे के जाओरा स्टेशन पर खड़े रहना

1615. **डा० लक्ष्मी नारायण पांडे** : क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 45 माल डिब्बों वाली पूरी लदी हुई एक मालगाड़ी पश्चिम रेलवे के जाओरा रेलवे स्टेशन पर 9 अप्रैल, 1971 से 26 अप्रैल, 1971 तक खड़ी रही ; और

(ख) यदि हाँ, तो मालगाड़ी के इतने अधिक समय तक उक्त स्टेशन पर खड़े रहने के क्या कारण थे ?

रेल मंत्री (श्री हनुमंतैया) : (क) और (ख). जी हां। 8-4-1971 को पश्चिम रेलवे के नीमच-रतलाम मीटर लाइन खंड के जावरा स्टेशन पर एक खंडीय मालगाड़ी को खड़ा कर दिया गया था। ऐसा करना इसलिए जरूरी हो गया क्योंकि मजदूरों की निरन्तर कमी बनी रहने के कारण यानान्तरण का क्रम प्रभावित हो जाने के फलस्वरूप यानान्तरित होने वाले माल-डिब्बे इकट्ठे हो गये थे जिसके परिणामस्वरूप रतलाम यार्ड में इस मालगाड़ी का आदान नहीं किया जा सकता था। जब रतलाम में एकत्रित माल डिब्बों की उत्तरोत्तर निकासी हो गयी, तो इस गाड़ी के भी कुछ माल डिब्बों की निकासी 22-4-71 को और शेष माल डिब्बों की निकासी 26-4-1971 को कर दी गयी।